स्वदेशी पोटाशिक ऑर्गेनो-खनिज उर्वरक

- पौधों, पशुओं और मनुष्यों के लिए पोटेशियम एक प्रमुख आवश्यक पोषक तत्व है।
- भारत में पोटेशियम खनिजों के भंडार कम हैं और खराब गुणवत्ता के हैं। उपलब्ध खनिजों की खराब गुणवत्ता के कारण यह पोटेशियम उर्वरकों के संश्लेषण के लिए अनुपयुक्त हैं।
- भारत प्रति वर्ष लगभग 36.5 लाख मीट्रिक टन डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और 38.0 लाख मीट्रिक टन म्यूरिएट ऑफ पोटाश (एमओपी) का आयात करता है, जिसका मूल्य लगभग 50000 लाख अमेरिकन डॉलर है।
- पोटेशियम उर्वरकों के आयात पर देश का लगभग 15000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष खर्च होता हैं।
- कम गुणवत्ता वाले पोटाश के खनिज और खनन अपशिष्ट उत्पादों के पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित उपयोग करने की तकनीकियों की आवश्यक्ता है।
- राजस्थान में फेल्डस्पार खनिजों का विशाल भंडार (871.2 लाख टन) उपलब्ध है।

- खराब गुणवत्ता के पोटाश खनिजों को ऑर्गेनो–मिनरल उर्वरक (ओएमएफ) में बदलने के लिए एक नई तकनीक को विकसित किया गया जिसमें रासायनिक रूप से कार्बन के ऑक्सीडाइज्ड रूप का उपयोग किया जाता हैं, जो कि देश में बहुतायत मात्रा में उपलब्ध है।
- ऑर्गेनो–मिनरल उर्वरक की लागत म्यूरिएट ऑफ पोटाश से कम पाई गई है।
- जोधपुर में प्रक्षेत्र प्रयोगों में म्यूरिएट ऑफ पोटाश की बराबर मात्रा की तुलना में ऑर्गेनो–मिनरल उर्वरक के साथ बाजरे, मूंग, ग्वार और गेहूं की पैदावार 3 से 7 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई।

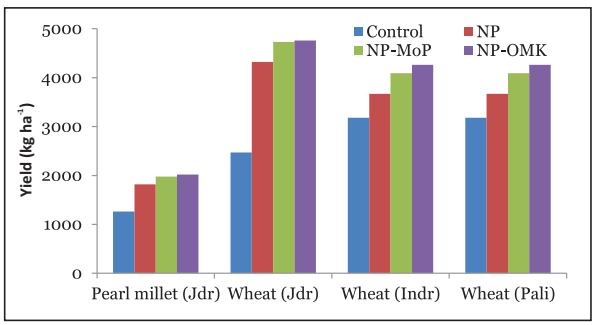

Jdr : Jodhpur
Indr: Indore
Gngr: Ganganagar

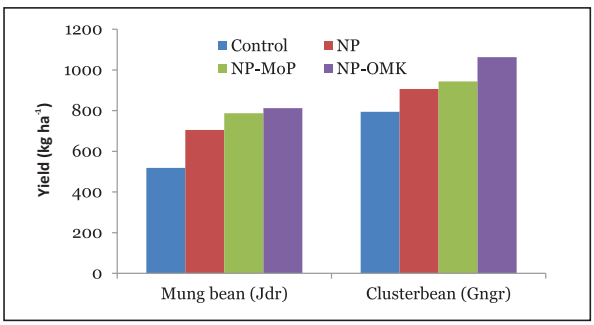

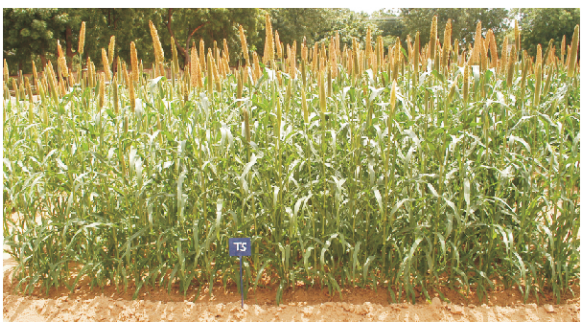

Banana

MoP 30.7±2.5 kg plant^{-1}
OMF 30.9±1.9 kg plant^{-1}

योगदान: **नवरतन पंवार एवं प्रवीण कुमार**

भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर 342 003 (भारत)

www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands